

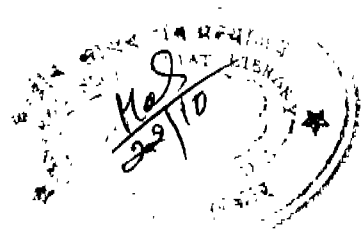


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 273]
No. 273]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 28, 1998/श्रावण 6, 1920
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 28, 1998/SHRAVANA 6, 1920

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण-विभाग)

अभिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1998

सा. का. नि. 412 (अ).—इस विभाग के दिनांक अक्टूबर 20, 1997 की अधिसूचना सं. 31011/7/97-स्था. (क) में आंशिक संशोधन करते हुए संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक तथा अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके तथा भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक तथा महालेखा-परीक्षक से परामर्श करके, राष्ट्रपति निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

(1) ये नियम केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी-यात्रा-रियायत) प्रथम-संशोधन नियम, 1998 कहे जाएंगे।

(2) ये अक्टूबर 01, 1998 से लागू होंगे।

(3) उपनियम 4 में, (घ) में, "परिवार" की परिभाषा के रूप में निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

"(घ) "परिवार" से निम्नलिखित अभिप्रेत है:—

- सरकारी कर्मचारी के साथ रह रही पत्नी या उसके साथ रह रहा पति, जैसी भी स्थिति हो तथा दो जीवित बच्चे अथवा सरकारी कर्मचारी पर पूर्णतः आश्रित सौतेले बच्चे, इस बात पर ध्यान दिए जाने के बिना कि वे सरकारी कर्मचारी के साथ रह रहे हैं अथवा नहीं;
- विवाहित पुत्रियां जो तलाकशुदा हों, परित्यक्ता हों अथवा जो अपने पति से अलग रहते हुए, सरकारी कर्मचारी के साथ रह रही हों और उस पर पूर्णतः आश्रित हों;
- माता-पिता और/अथवा सौतेली माँ, जो सरकारी कर्मचारी के साथ रह रही हो और उस पर पूर्णतः आश्रित हो;
- नाबालिग अविवाहित भाई और अविवाहित, तलाकशुदा अथवा विधवा बहनें जो सरकारी कर्मचारी के साथ रह रही हों और उस पर पूर्णतः आश्रित हों बशर्ते कि उनके माता-पिता जीवित नहीं हों अथवा वे स्वयं भी संबंधित सरकारी कर्मचारी पर पूर्णतः आश्रित हों।

स्पष्टीकरण :

1. छुट्टी-यात्रा-रियायत केवल दो जीवित बच्चों अथवा सौतेले बच्चों के ही संबंध में दिए जाने का प्रतिबंध, निम्नलिखित के संबंध में लागू नहीं होगा:—

- उन कर्मचारियों के संबंध में जिनके, इस प्रतिबंध के लागू होने अर्थात् 20-10-1997 से पहले ही दो से अधिक बच्चे हों;

(ii) उन बच्चों के संबंध में जो इस प्रतिबंध के लागू होने के एक वर्ष के भीतर पैदा हों;

(iii) जब दूसरे बच्चे के जन्म के समय, जुड़वाँ बच्चों के रूप में एक से अधिक बच्चे पैदा होने के परिणामस्वरूप, बच्चों की संख्या दो से अधिक हो जाए;

2. इन नियमों के प्रयोजन से "परिवार" शब्द में एक से अधिक पत्नी शामिल नहीं है। तथापि, यदि पहली पत्नी के जीवन-काल में ही दूसरी शादी, सरकार की अनुमति विशेष से हुई हो तो दूसरी पत्नी भी "परिवार" की परिभाषा में शामिल कर ली जाएगी।

3. यद्यपि किसी सरकारी कर्मचारी की पत्नी/उसके पति और उसके बच्चों का छुट्टी-यात्रा-रियायत पाने का हकदार होने की दृष्टि से उसके साथ रहना आवश्यक नहीं है तथापि, उनके मामले में उक्त रियायत, उनके द्वारा तय की गई यात्रा की वास्तविक दूरी अथवा सरकारी कर्मचारी के मुख्यालय/उसकी तैनाती के स्थान और मूल निवास स्थान (होम टाउन)/भ्रमण संबंधी यात्रा के स्थान के बीच की दूरी, उनमें से जो भी कम है, तक ही सीमित रहेगी।

4. परित्यक्ता, तलाकशुदा अथवा विधवा बहनों के बच्चे "परिवार" शब्द में शामिल नहीं हैं।

5. परिवार के जिस किसी सदस्य की आय पेंशन, पेंशन में अस्थाई वृद्धि, पेंशन पर महंगाई-राहत अथवा वृत्ति इत्यादि सहित सभी स्रोतों से 1500/- रु० प्रतिमाह से अधिक नहीं हो, उसे सरकारी कर्मचारी पर पूर्णतः आश्रित माना जाएगा।

(4) नियम 12 में, मौजूदा उप-नियम-1 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

(क) वायुयान/रेल से यात्रा

वेतन-सीमा	पात्रता
18,400/- रुपये और उससे ऊपर	अपने विकल्प पर, नेशनल कैरियर्स द्वारा एयर इकॉनामि (वाई) श्रेणी से अथवा रेल से वातानुकूल प्रथम श्रेणी में।
16,400/- रुपये और उससे ऊपर परंतु 18,400/- रुपये से कम	वातानुकूल-प्रथम श्रेणी में
8,000/- रुपये और उससे ऊपर परंतु 16,400/- रुपये से कम	वातानुकूल-2 टिअर शयनयान (स्लीपर) में।
4,100/- रुपये और उससे ऊपर परंतु 8,000/- रुपये से कम	प्रथम श्रेणी/वातानुकूल-III टिअर शयनयान/वातानुकूल कुर्सीयान (चेअर-कार) * में
4,100/- रुपये से कम	द्वितीय श्रेणी शयनयान में

*सभी सरकारी कर्मचारी जो छुट्टी-यात्रा-रियायत का लाभ उठाने के प्रयोजन से प्रथम श्रेणी/वातानुकूल III टिअर शयनयान/वातानुकूल कुर्सीयान (चेअर कार) द्वारा यात्रा करने के हकदार हों, अपनी मरजी से वातानुकूल 2 - टिअर शयनयान से यात्रा कर सकते हैं, जहां यात्रा के आरम्भिक और गंतव्य स्टेशनों को सबसे छोटे रास्ते से जोड़ने वाली रेलगाड़ियों में से किसी भी रेलगाड़ी में उक्त तीन श्रेणियों की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हों।

राजधानी एक्सप्रेस रेलगाड़ियों द्वारा यात्रा

वेतन-सीमा	पात्रता
16,400/- रु० और उससे ऊपर	वातानुकूल प्रथम श्रेणी में
8,000/- रु० और उससे ऊपर परंतु 16,400/- रुपये से कम	वातानुकूल-II 2 टिअर शयनयान (स्लीपर) में
4,100/- रु० और उससे ऊपर परंतु 8,000/- रुपये से कम	कुर्सीयान (चेअर-कार) में

शताब्दी एक्सप्रेस रेलगाड़ियों द्वारा यात्रा

वेतन-सीमा	पात्रता
16,400/- रु० और उससे ऊपर	कार्यकारी (इजैक्टिव) श्रेणी में
4,100/- रु० और उससे ऊपर परंतु 16,400/- रु० से कम	वातानुकूल कुर्सीयान (चेअर-कार) में

टिप्पणी : राजधानी/शताब्दी रेलगाड़ियों द्वारा यात्रा की हकदारी ऐसे मामलों में लागू होगी जहां यात्रा वास्तव में इन गाड़ियों द्वारा की गई हो, न कि सैद्धांतिक आधार पर हकदारी नियत करने के प्रयोजनार्थ। यात्रा के दोनों स्थान अर्थात् यात्रा आरम्भ किए जाने का स्थान और गंतव्य स्थान, दोनों ही राजधानी/शताब्दी एक्सप्रेस से सीधे जुड़े हुए होने चाहिए।

(ख) समुद्र से यात्रा नदी से अग्नि बोट (स्टीमर) द्वारा यात्रा

वेतन-सीमा	पात्रता
8,000/- रु० और उससे ऊपर	उच्चतम श्रेणी में
6,500/- रुपये और उससे ऊपर परंतु	यदि अग्नि-बोट में मात्र दो श्रेणियां हों, तो
8,000/- रु० से कम	निम्नतर श्रेणी में।
4,100/- रु० और उससे ऊपर परंतु	यदि तीन श्रेणियां हों, तो मध्यम (मझोली)
6,500/- रु० से कम	अथवा द्वितीय श्रेणी में : यदि चार श्रेणियां हों, तो तृतीय श्रेणी में।
4,100/- रु० से कम	निम्नतम श्रेणी में।

मुख्य भू-भाग और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप समूह के बीच, भारतीय जहाजरानी निगम लिमिटेड द्वारा संचालित जहाजों से यात्रा करने संबंधी सुविधा की पात्रता निम्नानुसार होगी :—

वेतन-सीमा	पात्रता
8,000/- रु० और उससे ऊपर	डीलक्स श्रेणी में
6,500/- रु० और उससे ऊपर परंतु 8,000/- रुपये से कम	प्रथम/ "ए" केबिन श्रेणी में
4,100/- रु० और उससे ऊपर परंतु 6,500/- रु० से कम	द्वितीय/ "बी" केबिन श्रेणी में
4,100/- रु० से कम	शायिका (बंक्) श्रेणी में

(ग) सड़क से यात्रा

वेतन-सीमा	पात्रता
(i) 18,400/- रु० और उससे ऊपर	वातानुकूल बस सहित किसी भी श्रेणी (टाइप) की सरकारी बस का वास्तविक किराया; अथवा उन स्थानों की यात्रा के संबंध में निर्धारित दरों पर वातानुकूल टैक्सी/टैक्सी का किराया जो रेल मार्ग से जुड़े हुए नहीं हों (वातानुकूल टैक्सी का किराया जब यात्रा वास्तव में वातानुकूल टैक्सी से की गई हो) — इस शर्त पर देय होगा कि अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किराये के भुगतान का दावा वह जिस श्रेणी (टाइप) की बस से यात्रा करने का पात्र हो, उस श्रेणी (टाइप) की बस के किराए अथवा उसके द्वारा वास्तव में अदा किए गए किराए, इनमें से जो भी कम हो, के भुगतान तक ही सीमित कर दिया जाएगा।
(ii) 8,000/- रु० और उससे ऊपर परंतु 18,400/- रु० से कम	इस अपवाद सहित कि वातानुकूल टैक्सी से यात्रा अनुमत्य नहीं होगी, पात्रता वहीं रहेगी जो कि उपर्युक्त (i) में दर्शाई गई है।
(iii) 6,500/- रु० और उससे ऊपर परंतु 8,000/- रु० से कम	इस अपवाद सहित कि वातानुकूल बस से यात्रा अनुमत्य नहीं होगी, पात्रता वहीं रहेगी जो कि उपर्युक्त (ii) में दर्शाई गई है।
(iv) 4,100/- रु० और उससे ऊपर परंतु 6,500/- रु० से कम	वातानुकूल बस को छोड़कर, किसी भी श्रेणी (टाइप) की सरकारी बस का वास्तविक किराया अथवा उन स्थानों की यात्रा के संबंध में निर्धारित दरों पर आटोरिक्षा का किराया जो रेलमार्ग से जुड़े हुए नहीं हों, इस शर्त पर देय होगा कि अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किराये के भुगतान का दावा, वह जिस श्रेणी (टाइप) की बस से यात्रा करने का पात्र हो, उस श्रेणी (टाइप) की बस के किराए अथवा उसके द्वारा वास्तव में

अदा किए गए किराए इनमें से जो भी कम हो, के भुगतान तक ही सीमित कर दिया जाएगा।

(v) 4,100/- रु० से कम

इस शर्त सहित कि किराए के भुगतान का दावा साधारण बस के किराए के भुगतान तक ही सीमित कर दिया जाएगा, पात्रता वही रहेगी जो कि उपर्युक्त (iv) में दर्शाई गई है।

टिप्पणी : चातानुकूल टैक्सी, टैक्सी अथवा ऑटोरिक्षा से की गई यात्रा के सभी मामलों के अदा किए गए किराए की रसीद का प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा।

[सं. 31011/7/97-स्थापना (क)]

शाश्वती बन्धोपाध्याय, निदेशक (स्था.-II)

टिप्पणी : मूल नियम, दिनांक 03-05-1988 के सांविधिक आदेश सं. 1525 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और बाद में, दिनांक 20-10-1997 के सा.का.नि. संख्या 602(ई) द्वारा संशोधित किए गए।

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 1998

G.S.R. No. 412 (E).—In partial modification of this Department's Notification No. 31011/7/97-Estt. (A) dated the 20th October, 1997 and in exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 and Clause (5) of Article 148 of the Constitution and in consultation with the Comptroller and Auditor General of India, in regard to persons serving the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules, namely :—

(1) These rules may be called the Central Civil Services (Leave Travel Concession) First Amendment Rules, 1998.

(2) They shall come into force from 1-10-98.

(3) In Sub-Rule 4 at (d) the existing definition of the "Family" shall be substituted as Under :—

"(d) 'Family' means:—

- (i) the Government servant's wife or husband, as the case may be, and two surviving unmarried children or step children wholly dependent on the Government servant, irrespective of whether they are residing with the Government servant or not ;
- (ii) married daughters who have been divorced, abandoned or separated from their husbands and are residing with the Government servant and are wholly dependent on the Government servant;
- (iii) parents and/or step mother residing with and wholly dependent on the Government servant;
- (iv) unmarried minor brothers as well as unmarried, divorced, abandoned, separated from their husbands or widowed sisters residing with and wholly dependent on the Government servant, provided their parents are either not alive or are themselves wholly dependent on the Government servant.

EXPLANATIONS:

1 The restriction of the concession to only two surviving children or step children shall not be applicable in respect of (i) these employees who already have more than two children prior to the coming into force of this restriction i. e. 20-10-1997; (ii) children born within one year of the coming into force of this restriction : (iii) where the number of children exceeds two as a result of second child birth resulting in multiple births :

2 Not more than one wife is included in the term "Family" for the purpose of these Rules. However, if a Government servant has two legally wedded wives and the second marriage is with the specific permission of the Government, the second wife shall also be included in the definition of "Family".

3. Though it is not necessary for the spouse and children to reside with the Government servant so as to be eligible for the Leave Travel Concession, the concession in their cases shall, however, be restricted to the actual distance travelled or the distance between the headquarters/place of posting of the Government servant and the hometown/place of visit, whichever is less.

4. Children of divorced, abandoned, separated from their husbands or widowed sisters are not included in the term "Family".

5. A member of the family whose income from all sources, including pension, temporary increase in pension but excluding dearness relief on pension or stipend etc. does not exceed Rs. 1500 p.m. is deemed to be wholly dependent on the Government servant.

(4). In Rule 12 for the existing sub-rule 1, the following shall be substituted :—

(A) Journey by Air/Rail :

<u>Pay Range</u>	<u>Entitlement</u>
Rs. 18,400 and above.	Air Economy (Y) Class by National Carriers or AC First Class by train, at their option.
Rs. 16,400 and above but less than Rs. 18,400.	A.C. First Class.
Rs. 8,000 and above but less than Rs. 16,400.	II AC II-Tier Sleeper.
Rs. 4,100 and above but less than Rs. 8,000.	First Class/AC III-Tier Sleeper/AC Chair Car*
Below Rs. 4,100.	Second Sleeper.

*All Government servants who are entitled to travel on L.T.C. by First Class/ AC III- Tier Sleeper/AC Chair Car may, at their discretion., travel by AC II-Tier sleeper in cases where any of the trains connecting the originating and destination stations concerned by the direct shortest route do not provide these three classes of accommodation.

Travel by Rajdhani Express Trains :

<u>Pay range</u>	<u>Entitlement</u>
Rs. 16,400 and above.	AC First Class
Rs. 8,000 and above but less than Rs. 16,400.	II AC 2-Tier Sleeper
Rs. 4100 and above but less than Rs. 8000.	Chair Car

Travel by Shatabdi Express Trains :

<u>Pay Range</u>	<u>Entitlement</u>
Rs. 16,400 and above.	Executive Class
Rs. 4,100 and above but less than Rs. 16,400.	AC Chair Car

Note : Entitlement by Rajdhani/Shatabdi Trains would be applicable in cases where journey is actually undertaken by these trains and not for determining entitlement on national basis. Both ends of the journey i.e. place of start of the journey and the destination should be directly connected by Rajdhani/Shatabdi Express.

(B). Journey by sea or by River Steamer :

<u>Pay Range</u>	<u>Entitlement</u>
Rs. 8,000 and above	Highest Class
Rs. 6,500 and above but less than Rs. 8,000.	If there are two classes only on the steamer, the lower class.
Rs. 4,100 and above but less than Rs. 6,500.	If there are three classes the middle or the second class.
	If there be four classes, the third class.
Below Rs. 4,100.	The lowest class.

Accommodation entitlements for travel between the mainland and the Andaman & Nicobar Group of Islands and the Lakshadweep Group of Islands by ships operated by the Shipping Corporation of India Limited will be as follows :—

<u>Pay Range</u>	<u>Entitlement</u>
Rs. 8,000 and above.	Deluxe Class
Rs. 6,500 and above but less than Rs. 8,000.	First/'A' Cabin Class
Rs. 4,100 and above but less than Rs. 6,500.	Second/'B' Cabin Class
Less than Rs. 4,100.	Bunk Class

(C) Journey by Road

<u>Pay Range</u>	<u>Entitlement</u>
(1) Rs. 18,400 and above	Actual fare by any type of public bus, including airconditioned bus : OR At prescribed rates for AC Taxi/Taxi (AC Taxi when the journey is actually performed by AC Taxi) for journey to the places not connected by rail subject to condition that the claim shall be

2027 41/98-2

- restricted to the bus fare by entitled class or the fare actually paid, whichever is less.
- (ii) Rs. 8,000 and above but less than Rs. 18,400. Same as at (i) above with the exception that journeys by AC Taxi will not be permissible.
- (iii) Rs. 6,500 and above but less than Rs. 8,000. Same as at (ii) above with the exception that journeys by airconditioned bus will not be permissible.
- (iv) Rs. 4,100 and above but less than Rs. 6,500. Actual fare by any type of public bus other than airconditioned bus. OR
At prescribed rate for autorickshaw for journey to places not connected by rail subject to condition that the claim shall be restricted to bus fare by entitled class or the fare actually paid, whichever is less.
- (v) Below Rs. 4,100 As at (iv) above with the condition that the claim shall be restricted to the bus fare by ordinary bus.

Note : In all cases of travel by AC Taxi, Taxi or Autorickshaw, production of fare receipt will be necessary.

[No. 31011/7/97-Estt. (A)]

SMT. S. BANDOPADHYAY, Director (E-II)

Note : Principal Rules were published vide S. O. No. 1525 dated 3-5-1988 and subsequently amended vide G. S. R. No. 602 (E) dated 20-10-1997.